

1678

ASHA BROWNE

ॐ नमः श्रीग (दासाय नमः ॥ मयसया ॥ साया क निव मयसयानमः नमः
ल मयसयानामहा कुमयी धायुव ॥ सायानामयानै धायुव ॥ मयसमच्छिनी
व दूदूम वियुव ॥ द्यासमनयुव ॥ नारवम गानिव ॥ रवी क्कानूका बहायुव
॥ दावा स्वादासा निव ग नसानि यायमानिव ॥ क्षा निसस्य बाक्षायो ॥ ग्वग
न क्कामान ॥ लीमम (ग वामान ॥ रुग नस यूज र व वी लामामच्छिनः
ना व दूदू सव धाज युव ॥ धनयिनास के यूजामान ॥ माहाद वया कया
वामा गया यी वाम न ते या व यूजामान ॥ क्षा निसया न रु व न दूज धू न्य
मान ॥ क्षा रवान यितय ॥ गुरु ॥ ॥

१ ग (सप्तम्या कयू जा वन्यमाला ॥ ॥



१ सिंह स्नान गजर्जदृ स्वा ॥ यितन वियान
नाहान प्रागजुन प्रागा ॥ दिन रमहि
द ॥ ॐ नमो गच्छ स्वराया ॥ ॐ गलनर्ज
य न प्रागा ॥ प्राय जाय नयू कलरु देव
नान जा दा या श्व नाव ॥ प्रा गद्व गुस ॥ ब
स ॥ स्या क ॥ मन सदा गाल स ॥ स्या क रुः
यू बा य ध स स्या क प्रा गा ॥ य व न म हा का
ले ज ना या न १ रु व न रु ग व नी या के यू

जा ॥ कू मा नि यू जा व न्य मान ४ ॥

१ध्वजस्त्वन्यवृषीदृत्वा॥ प्रागगलथा नैथाय॥ ॐ न
मग्नीयुत्रस्थानभा॥ ॐ ग्रीउवाच॥ आदित्यनजाल
यू प्राय॥ वायूव्यदवगानजादाया श्वरावानिः
साहानस प्रागइयूव॥ वीहामजायवयू प्रागाभि
त्रमद्युलददग्मदि॥ मिरवास्याक प्रागायनतासून
श्चक्रियनैउ मगलकरुद्राश्व॥ प्राग्मा॥ नानानरु
युक् प्रा॥ मितजालइयूव॥ म्भसानयादवगाया
दाखइयू॥ चगाहजनसजानद्वात्रूथयावमसा
नसबायहाकूयगायहाकूहाग्ममानध्वनित

१ॐ नमो ब्रह्माय ह्रीं अस्मि नमो गङ्गे न वायस्वाहा ॥

यमान ॥ नागना जायूरवृत्रियूज रेक वा रे धृज देव

ता यौन आंदाया सा हा वा ॥ धृज या ॥ वाहास्य भा गज

यलयू ॥ भा ग ॥ गिन सव्य धा जू यू वा ॥ कोमा निया कः

हि रुस्य वा ॥ थव दव या क म ता यू जा घा ॥ वाहास्य वृ

भाव ॥ २ ॥ वृ ना १० ॥ वृ ना व ११ ॥ भा व १३ ॥ वृ ना व १४ ॥

वृ ना ३ खू मि ॥ धानि वसु यनिक ॥ धना सिंहा न दद

वा ॥ नाख व व धल द व ॥ दास रु व तया न १ धन सयू ज रे वृ वान

खलै स्कु न त ग ऊ नु व नी न म्ब द नी सू द नी य (म धू नै म धू र्ग ध नू चि ध नू यू व

वा भा र्ग ध यू नी द का घा न वि दा नि ता ली सिं दू न सा हा क नी व न्द ग्री न जी ता इ

क म रु ॥
सो धि
दा य रि
मो धि
क म रु ॥

१५॥ मस्मान्नरवलीदृत्वा॥ यीकूलिवाल्या॥ जायलपूभा
गरुयनजायलपूभा॥ यथसवधभात्रसवध
नूगत्रसवध॥ भागकासथासानकसानमद्धनि
व॥ रुतदूतयी॥ पुनभाहृगेधनाया॥ जूग्निदवगा
नजाहाधराव॥ मिरवास्याकभागा॥ प्रानसैदह॥
कूदभागदातानस॥ मनसद्भिदयू॥ नाहादूना
हयान॥ पुमयाभागा॥ जाननविदा॥ जानाअति
साना॥ हिनकर्कशूना॥ ९॥ नाहनसद्भासचूल्या

ॐ नमो माहेश्वरी नू नू हे न वाय नै स्वाहा ॥ ॥

सुधाथसस्याकमनूरवदावन॥क्रमयादवता॥म
हाकालयगारुवनयान॥कामात्रिसयूजा॥ला
सरुनयान॥दान॥अग्निनागयूजा॥अग्निरुनी
नीयूज॥क्रमयावृभाव॥वृभाव॥७॥भाव३५॥
भाव८॥यीगासधलदव॥यूरवृत्रिसेदि॥यीकूलस
खानयददव॥रयानदव॥गमनदव॥न्यधाल्याखन॥दादव॥अनूना
गा॥ईलदव॥वाशुकिनागनाजा॥धनसयूज॥१॥खलसरुवनयान॥
गमनसयूज॥१॥धतिक्रमयाविधि४॥ ॥

१ सिंह स्कान गजदृत्वा ॥ यितान विद्यान ॥ वाडै ह
त सत्राग ॥ भेधनादनुगदूति ॥ ॐ नमो गन्य ध्वन
य ॥ ज्ञेय नन जायं लयू भग ॥ कलह दव तान जा
दा ध्वरा वा ॥ मिखा स्या का ॥ का थू स ॥ वास स्या का ॥ व्यः
क स ॥ यथ स स्या का ॥ भगद धु ॥ न कू यि ॥ दू दू स्या
क ॥ सिंह न द न्ना सय गन्द माला मि भो द ला कू क
भग ॥ चि त स्य उ मन भग ॥ ६ सिंह या द व ना
॥ ना ना य न ॥ या कू या चा मा हि म द व या कू पू जा

ॐ नमो कोमाजी चंद्रु रे न वाय स्वाहा ॥

॥ यव्वे त महा काल स्यात् १ रु व न ॥ कमाजी स हि
स्य बा ॥ सिंह या द दि हा स्या ॥ व नो व ३ ॥ भा व २ ५
॥ ध न चू का ॥ हा ति ग म ल द व ॥ यी च ना ग यी गा स द
व द्री ३ द व ॥ ग्र ह ऋ ग म न ॥ ध या सी नि ॥ जा कि दू
त अ न या व जा धू या व रु व न या त १ यी ता स वू या
त य दू ज धू न्य ॥ क मा नि स रु व न या त ३ हि नान
व्या बै म म स द य क मा न ॥ वू या हा ति ग म ल स पू ज २ ॥ ध नि सिंह या
विधि ३ ॥ ॥

ॐ नमो कोमाजी चंद्रु रे न वाय स्वाहा ॥

स्वानस्मान्य ध्वं दृष्ट्वा ॥ निययुजस्वालयान् २०
दयकावधवक्त्रसवलिवीर्यमाला ॥ हिमसद्वः
निस्तर्यतयादवा ॥ प्रागियामहिद ॥ प्रागिया
कायार्कधक्त्रदतानि ॥ रुगवतियाकवलिया
न ॥ हिमनकायसमसदयकमाल ॥ क्कमालि
याववलियात ॥ अनियातावलियात ॥ क्क
समहिसानियायमान ॥ ग्रीहिमसद्वः दतया
दवा ॥ येकनिनवियान ॥ दक्षिदिनसप्राग ॥

ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

ॐ नमो आर्गुनीनिहानम ॥ वृधनकाय नमो ॥

नारायणाय नमो ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

वृधनकाय नमो ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

वृधनकाय नमो ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

वृधनकाय नमो ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

वृधनकाय नमो ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

वृधनकाय नमो ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

वृधनकाय नमो ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥

१ वृखल्लान्य धुर्डीदृत्वा ॥ यं गानवियानथ धस्या
कज्जव वकास भाय ॥ ॐ नभामरु ना धाय ॥ वृह
स्यगिनजा गभा ॥ कालद वतानजा दायाम्बर
व ॥ भायरु वदि ॥ ॐ नाराग भनाय नदाया लक्ष
न ध ॥ भाचा जाय लय्यमरु धागु ॥ वृषया लागा ॥
खल कुक्षका ॥ क न नयादस्य व्याधिनयीता ॥ नि
नल्लान भागा ॥ क न चू क न भागा ॥ व्याधिनयिठ
॥ ॐ गस्ययिदा ॥ क रु वान कया ॥ क दू च ॥ विची

१७ नभा वा नाहि उ नम न रे न वा य स्वाहा ॥

चिका चि न दृष्टा ॥ वृत्तया द व ॥ नैदि क स्व न या

क यू जौ उ २ ॥ उ मा म ह स्व न या क यू जौ ॥ चाम्

धुय क र्हि रु यू जा व ज ऊ गि नी या क र्हि रु यू ॥

जा ॥ जून न न ना ग ना जा या क यू ज १ १ तु थि मा ॥ ३

च उ म थि ऊ गी नी या क र्ह व त या न ३ य च्छि म

दा ध्र खान यि त य ॥ र्ह ल व या क या न १ दा ल ध्र खान यि त य ॥ धान ग

(दा म या क यू जा ॥ ग्र ह वृ ह स्य नि ॥ य च्छि म द व ना ज्ञा ग त ॥ ध्र ग वृ षः

वि चि च्छ स व ली वि य मा ल ॥ ॥

८खलस्का न धुञ्जि दृत्वा ॥ ये कुनि विद्यान ॥ म्यस
॥ साया गगना ग ॥ यव नरु न दृ नि ॥ ॐ नमास्का
नाधियतय ॥ शुक्रन जाय न भाग ॥ भायश्क
हिन ३ ॥ रुद वना न जादा श्वरा व ॥ कृद्धि भाः
ग ॥ वनज बा न जाय न यू भाय ॥ नाना नाग जा
य लयू ॥ घालया न खा निव ॥ स्य नख म ॥ दाहाया
दू भाग भू न ॥ हृदय स भाग ॥ गत्रया न स व्यध
॥ रुचना थै ग ॥ ३ खल्य न जि वसी सय ॥ भाग भू

नियाने॥यितेअन॥३वृषावज॥धनदवध
नसयूज॥गवक्तनवृदव॥धयासान्निराय
॥जायूजाकना॥दयकम॥समसदयकमान
नवक्तनवृसयायदूदामाला॥यगायछादू
माल॥ ॥दगुलदवयाकयूजामान॥वृसर
दलसखाकूझामाल॥गयलसकूकिंनियचा
सकूअथून्यमाल॥धतिखलयाविधि॥भागीयामरिददिननदम
वाणी॥ ॥ॐ नमोभगवतीकपालरुचवायस्वाहा॥ ॥

१ गऊ स्तुतान्यसिंहदृत्वा ॥ र्यंगानविद्यान ॥ ओ
गरुगदृति ॥ ॐ नमो सर्वसिधाय ॥ भनिम्बः
लनजोगनागा ॥ दिनगमहिद ॥ नादसदव
गानजोदायाग्वराव ॥ भानस्याकमिरवास्याक
॥ धानवयूव ॥ कनवयूव ॥ लानचद्वूतिना
गा ॥ मनदोगान ॥ स्याक ॥ कर्लभूनजोयूवाः
हासूनसभाग ॥ मलद्वानगवयथ ॥ कसम
हिद ॥ भागिनी ॥ दयूव ॥ गऊभाग ॥ जूति

[illegible]

१ धौ दसुन्यस्वानदृत्वा ॥ र्यै कलिन वियान ॥ ॐ न
भासर्वज्ञानाय ॥ जूदित्यनजायलयूभाग ॥ का
लदेवगानजादायाग्यहाव ॥ वीकृत्रिनयूद ॥ य
वैगनजायलयूभाग ॥ भूसानागतभाग ॥ क्षा
दभागजकयितु ॥ गिरवाभाग ॥ सनियारभाग
॥ जीवभूतभाग ॥ कर्तृभूतभाग ॥ जिवभस्य ॥
पतस्याक ॥ वास्याक ॥ हागानस ॥ मनसस्याक ॥
ॐ हागसवाध ॥ वायूवसूत्र ॥ धानवयूव ॥ स्वा

सनदहलयीबा॥गुनिस्थाक॥यथमानिब॥स
मभानदूषनजाननू॥थरुऊनसनयाववाये
॥चष्टिकादूखनयिथसपूजामाना॥नागपूज
कृथा॥दूदूदानयान॥रसगय॥वसजाकिय३
जाधूयावदानसनय॥रुगवल्लि॥कमोत्रिशाजा

वना॥६॥दगुनिसर्यचउयचालपूजा॥सूजस्कमतावियद्यान३२॥या
नजदि॥गुधिसपूज॥भागियामहिदुदिन॥नूनायपूजामाना॥महा
लक्ष्मीयाकपूजामाना॥महालक्ष्मीदूषन॥धनधनद्विविधि॥१०॥नभाम
हालक्ष्मीसीद्यानरुनवायस्वाहा॥ ॥ ॥

रम (धस्का न्यम धृत्वा ॥ दूरवन भाग ॥ रुगवतीः
दूरवना ॥ धृज भाग निलदखा ॥ कर्ण जानू भाग
॥ निसाहान सइ ब भाग ॥ स्वास कास ऊ नदखा ॥
सूर्य स्क्रम नाद्या न ज दिन ३ म हाद बया क्य चाम्
न न या बयू जा ॥ हि म द बया क्य हि दयू जा ॥ जा की
वृ नि ३ जा थू या ब रु व न या न ॥ वि धि स न य माल
॥ को नि या ना या न ॥ रु व न ॥ ना ग म ग म ना यू जा या न
ज ॥ वृ ल व ॥ द ल स क्व कि नि य वा ॥ ध न स यू ज न ॥

ॐ
दोनयात १ कलायस ॥ ककारे कनारवस ॥ गुरुदि
नसइव भागा ॥ कुमभागा ॥ मिलभूलभागा ॥ दोहा
आन ॥ हयाभूना ॥ कर्कसूत्रभागा ॥ उधमवासकास
॥ विदासनभागा ॥ नाहानसयथा ॥ पुनिसवथा ॥
वसरवना ॥ रुगवनीयाकयूजा ॥ ॐ नाययूजामा
ल ॥ कुमानिसहिदयूजा ॥ ॐ नवस्कहिदयूजामाल ॥ गयनरिदयूजा
माल ॥ धनमध्वकानयाविधि ॥ ॥ सलस्वतीयूजामान ॥ ॐ नभाजाग
धनीअरुहेनवायस्वाहा ॥ ॥

ता



१ सिंह स्नान्य सिंह दृत्वा ॥ सिंह या भाग ॥ जानू दूयी
दा सिंह द व नान जा दा या म्भ हा व ॥ हिरवा दा व श
यू व भाग ॥ द द य दा र्वा ॥ य थ स्या क भाग ॥ धान व
यू व क न व यू व ॥ न व क्का श यू व ॥ सिंह या म हि द दि
न न ॥ महा काल य ना या न १ रु व न ॥ रु न व स यू जा ॥
वा नि स रु व न या न १ ॥ हि म नान स यू जा ॥ र व स यू
ज २ ॥ चै र्वा न स यू जा ॥ या चा मा श १ माल ॥ या न १
रु व न यि थि स क्क न १ ॥ न्ना य यू जा माल ॥ १ स्त्री

धेता नया ना रु व न या न । मा न ॥ अ ग म स यू ज ॥ स्वा
न स्तान्य स्तान् नै दृ त्वा ॥ स्तानया प्रा ग ॥ कू वृ प्रा ग ॥ गः
न र्ग ध मा ॥ हि का स्वा स ॥ का स क्कु न्द नि उ त्का ॥ जा न
स्या क ॥ व्य क्त स्या क ॥ प्रा ग ॥ हृ द या भू न ॥ प्रा ग ॥ क्क थ
स द्या न रु यू ब ॥ स म सा न या दू र द न स्म सा न स म्वा न
कू व ॥ जा न या व द्मा न् (थे रु ज न वा य ॥ रु ग म् य न
य रु कू ॥ यि थि स या न ॥ रु व न ॥ ना (थे मा ल ॥ थ
ति सा न या वि धि ॥ क्क मा नी ॥

१ सिंहुस्त्रान्य धुर्जं दृत्वा ॥ यित नरव भागमसि नदः
खा ॥ कुक्ष भाग ॥ कनयूयूव ॥ जा न स्यायूव ॥ दगु
निसयूजा या चामातया व ॥ हिमस्य नया व ॥ यूजा
॥ थनयूना सरिठ यूजा ॥ जा कि प्र ३ जा थूया व न
यरु व न या न १ यि धा स न या ॥ क नारव स दालया
न १ ॥ वृ ना व ज वृ स यूज २ ॥ वृ या रव न चा स च्चु कि
निय च ॥ खालया न १ ॥ खग्नि स यूज न ॥ यूरव निः
स यूज १ ॥ दू दू दान माल ॥ वक्त्र निस यूज २ ॥ श्री

उद्गायत्री॥ ॥



१ प्रमस्कान्य प्रमदृत्वा ॥ आगवायिष ॥ जिलदारव
॥ कर्णभूज ॥ गन आग ॥ उत्तगायूनतासानिब ॥
हिकासास ॥ कास ॥ गुयादब निमाकसरवाना ॥ गु
यादवयतायात १ रुवत ॥ नानायनसक्याचा
मातदयकावयूज ॥ अनिस रुवतयात १ ॥ वृभा
व ३ ॥ धनसयूज २ वीसदूदोनमाल ॥ नासकू
किनिषचा ॥ याकसयूज १ ॥ कनाखसदानया
त १ ॥ रुनिनिसयूज १ ॥ म्यसमच्चिननावदूदूव

ॐ ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥





१ गजथानसिंहद्वत्वा॥ गनसत्राग॥ मित्रभुलद्वः
खाकर्त्तृभूल॥ नकयित॥ सूत्र॥ गलसभूल॥ श्री
रुनवद्वरवनरुनवसकमनायूजा॥ व्यनालसक
यात॥ रुवत॥ मिखास्याका॥ तुतिसवथायथस्या
का॥ कनचूकूलिसवथा॥ नूगत्रमच्चिनिवा॥ यिः
थासरुवतयात॥ कामानिसमनायूजौघानजः
यूजा॥ चानिसदनयात॥ ३॥ ००निसयूज॥ २॥ दूरव
लमान॥ वृथाव॥ भाव॥ भाव॥ दनसहिता॥
दवद्वी॥ दनसरुवतयात॥ १॥ खानयात॥ २॥ रवस

यूज २॥ दूदू दाल माना ॥ चस ग्धा क ॥ मन दू बाल सव
था ॥ न क क द यू ब ॥ म्य व न म रू या यू ब ॥ नू ग न मा
नि ब ॥ दू दू या सव था ॥ दी सा न म द्हा ल स्या क ॥ ९ ना
हा ग स ग्धा क ॥ भा ग ॥ यी नू भा ग ॥ या क स यू ज २ ॥
दू दू र वा न माल ॥ ध न ग ज या विधि ॥ ना जा या द्वा य
क न द्वा ब ग्धा य ॥ य थ स व थ रू यू ब ॥ भ व न म रू
या ना ॥ यि व न्य या मि सा ना स्य न या ना ॥ श्री चा मू द्मु
॥ ॥



१ धर्मादस्मान्यस्वानेदृखा॥ वागयितञ्जानदाहा॥ म
नगिरवाभूलकिदीभाग॥ यादुभाग॥ हृदयाभून
॥ पयस्यकभाग॥ धनवयूवा॥ हिषानिवा॥ कनयू
यूवा॥ चलननवानिवा॥ ह्ययूवा॥ धनधननयूवा॥
धाकसभाग॥ मग्ननसजाननूधयावरुजनेसत
यहूकुरुगयतायमान॥ यीधसयात१रुवत॥
सूक्ष्ममनायात१३दिन३रुगवतियाकमगा
यूजा॥ धानिसयात१रुवत॥ दगुनिसमनायात
जा॥ वृथाव३धनसहितयैन॥ दनदवा॥ नायरा

नदव॥ दनसक्तु किनीयाचासदुजधून्यमान॥
धनसयूज॥१॥ हिमसु रिदयू जावन्यमान॥ गय
नसयूजावन्यमान॥ चनामाधिमाल॥ मधदृत्वा
दवगात्रामनि॥ सिलभूतदयाभूत॥ वृद्धा
गा॥ थवदवतायदखन॥ यूजामनीयातजमाह

निरुयावयैचयचानयूजा॥ आगमस॥ क्षानिसयूजा॥ ॥ नानियावृम
नवानक्येनावसदनावन्यसशनादूनदूनवयूवक्तु॥ थमानिव
॥॥ धनं धादुविधि श्रीनानायनि॥ ॥

नी

१ धउरुक्कान्य वृरवेदृत्वा ॥ वच्चिक्कवियान् गलनर्थं
भागभाद्रुस ॥ ॐ नमः ॥ ग्रागुनूस्थानभा ॥ ॐ ग्रावैउवा
वा ॥ ज्वादि एनजायलयू भाग वायूव्यदवतानअ
दास्रहावा ॥ गवसुधया भाग ॥ वैमादनइव ॥ नि
साहनसइव भाग ॥ यित (क्षरवम ॥ भाग ॥ ग्रासन
इव भाग ॥ मित्रभूत ॥ दद्यु भाग कल्लस भाग ॥
स्वासकाग भाग ॥ कुद्धिभूत भाग ॥ प्रानसंदह ॥ इ
दयासूत्र ॥ मिखास्याक भाग ॥ ८ नाहारास भाग ॥ द्वा
नयाद भूलस्याक ॥ नाना भाग ॥ १ धन भाग ॥ ग्रह

श्रीदित्य ॥ गयनसच्चुकिनियिचासजानयमान
कजधून्यमालमसानसजानद्वारुधयचताहाउ
नसकाकूयतायहाकूहागनयमान ॥ माहादबः
याक्कयाचामानदयकावयूजामाल ॥ वृयाक्षष
नवृयाधलसयूजर ॥ भून्दुरुबनयात १ वोहायकी
वध्वारवानयिनयमान ॥ धनधुजयाविधिसमाफ
॥ भुरु ॥ ८ ॥ श्रीवानाही ॥ ॥



१कुमात्रादवना॥वीहास्यजालयूत्राग॥वीहास्य
वृत्रावश॥भाव३॥वृसनागयुज॥वाक्कसभम
उदयकावयूजामात्र॥धूमस्त्रोन्यखलीदृत्वा॥य
कृत्रिवल्यजायत्रयूत्राग॥यथमवध॥भानुः
स्याक॥कामनजायत्राग॥रुग्दितियी॥उन्न
भारुग्श्वनायमरुग्श्वनाय॥जग्निदवगानजार्ह
याग्श्वराव॥मिखास्याक॥यानसंदह॥कृद्धिग
गा॥कर्तृत्राग॥दातात्रमानिवा॥म्यत्रनदृहा
ववत्रायै॥वृसयंकुसद्वी॥नाग॥ववनयंकु

सयूज ११॥ दक्षिणसद्वी १ नाग ॥ तायीनद्वी १॥ म
निमालयूज २ वृथा २ दूरखानमाल ॥ द्वावस
वृथ ३ ऊथूयावद्वृथ ३ न्यमाल ॥ खानयाग १
थिक्कायहि १ धनिवसयाचामानयावयूजामा
ल ॥ यिथीसकुम्भलयूजामान ॥ जावृ १ ऊथूर्य
वद्वान् (थदालाहिनेक्कामाल ॥ हावृ हागमह
कृयगायमालाच (हृग्धनीयूजामान ॥ म्हागहा
मान ॥ श्रीगकुग्धनी ॥ ॥



१सिंहस्नान्यवृखदृत्वा॥यायीतानवियान्त्रा
हातिसत्राग॥कैथसत्राग॥ॐ नमो ग (ल) श्वना
य॥ॐ गमननजायनयूत्राग॥कनहृदवतान
ओदायाश्वराव॥आनेयास्याक्यथस्याकभा
ग॥महाकालनओदायाश्वराव॥नकृपित
क्षसद्यालस्याक॥कक्षिस्याक॥धूमदवगा॥म
हाकालयगायात॥रुवगा॥ॐ नाययूजामाल॥
यिथसकूक्षकूयूजामाल॥कनारवसेयात॥दा
त्र॥क्षयाव्यकूनिसेयूज॥धूमया॥वृत्रावश्य

नास धलन्यथादव॥ कनमगलदव॥ वृयना
कुकिनिथेचाजाकियु३जाधूयाबनय॥ हिम्य
लोधम्यना॥ वसतय॥ धनसयुज२॥ यूरुनिम
पूज२॥ जूकनागनाजा॥ मसनसतजायूजामा
ल॥ धनिसिंरुयाविधि॥ ॥ श्रीवानाही॥ ॥

स्वानस्तन्य ध्वा द्दृ त्वा ॥ यी कूलन वियान ॥ ॐ न
भाऊ गिनिस्थानम ॥ वृ धनजाय ० नयू भाग ॥ ऊ
द्वनऊ दाया श्वराव ॥ न्य द्दी २ भागि दयेव ॥ हिः
खा दा बरू यव ॥ स्वानया भाग ॥ वाच विदा ॥ स्वान
या दबगा ॥ यं श्व वी द्द न थ ग ग ॥ वा निरू ग ॥ द
बस्य विदा ॥ नाना भाग ॥ हिरवा दान द्या ल शू य
व ॥ य थ भाग ॥ सिंह या दबगा ॥ नाना य न स क ॥
यं चामृ ग या चामा ग यू जा माल ॥ श्री हिम नान्यः
स यू जा ॥ वृद्ध स यू जा ॥ ये वृ त्त महा काल य नायाग



१ रुबन ॥ रु गवगिया कयूजा ॥ क्कमानिया क्वव
त्रिया न १ द्दज थून्यमाल ॥ वृत्राव ३ ॥ यच नागय
नायूज १ ॥ दबद्वै २ र्यं नाग वसखा लयान ३ ॥
रुसुयाद गून ॥ ग्रहवृध ॥ जमदबेना दद्विष्टा ॥
सागि कूद्रु रु गवगिया कयान १ वत्रि हि ज्ञान

कायमाल ॥ समज दय क्कमाल ॥ धानि सया न १ रुबन ॥ क्कसमहिठ वः
लिवियमाल ॥ ग्रीहिमस्यन दबया क्क नयाद व ॥ प्रागीयामहिठ २१
धनस्वानया विधि ॥ ॥ ग्रामलाल क्की ॥ ॥



१८ वस्त्रान्य धर्तुं दृष्ट्वा ॥ यूनान विद्यान ॥ उ ब वः
क स न ग ॥ ल य ल रु न दू नि ॥ ॐ न भामि रु ना धा
य ॥ वृ ह स्य नि न जा य न ग ॥ काल द व नान जा
दा या श्व रु बा ॥ ९ ना हा न स ना य न दा या व धा
भा चा जा य न य म रु ॥ ध रु य ध स्या क ॥ उ ब वः
क स व धा ॥ ब स या क ग ॥ व क स न ग ॥ र व क
द ग ॥ वा धि न पि णा ॥ रू न स्य यी णा ॥ क रु वाः
का या कं दू न वि ची वि का वी न न ना ॥ वृ ष या दे व
ना ॥ उ मा म रु श्व न या ना यू ज ॥ १ ॥ व ज आ गि नि य



गायान १ रुबनमाल ॥ द्रुज धन्यमान ॥ अतकून
नाग नाजायूज १ अरुस ॥ चबसधिजा गिनिय
ताखाजयात नहिना द्रुज नयमाल ॥ रुलवस
क्यूजामाल ॥ ग (दासया क्यूजामाल ॥ चउभ
धिदविनजादाया श्वराव ॥ धवसूरवमदयूव
॥ धनवृरवयाविधि ॥ ॥ श्रीवद्मयदा ॥ ॥





१ वनालनञादाया श्ववौ रुब्यनस्या क॥ वा
किल वयूव॥ धमास्त्रियायमात्र॥ रुबनयाग
१ सौदास दकु श्वत्र ३ धून्यमाल॥ वलियाग ३
॥ मादास दकु १ स्यायमाल॥ वलिस॥ सास्त्रियाय
माल॥ ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ अथारव न स्पृष्टाव्य
नमः ॥ जालचिसलयाव बाढ ॥ वायानां श्वनसक
मगायूजा ॥ स्यवावन्यमाल ॥ अथारव न पिदाढाः
कूकूमच्छिद ॥ नाश्वलदवत्रिकिनिवाकाः
यिमिथायायमगव ॥ ॥





१कनभूत॥ अतिसालरुयुव॥ दधमरुयुवः
मन॥ खनयादेवना॥ केनकेतियानागनाजा
कया॥ वायुवदवनाआगना॥ वृत्राव३॥ वृत्रा
वज॥ माहामागसीनन॥ न्यसि॥ द्रुनदववृसः
द्वी१६वर्येगासलाभा॥ खानयाग६म्वानतेय
॥ कुकिनियचासजाक३॥ पजजाधूयावगय॥
हिनेच्छामानम्वानध३॥ दूदूना३॥ दूऊधून्यमा
ल॥ वृसतेय॥ वृयाद्वनस॥ लाथाकियासमज
खाद्वी१मान॥ भगियामरिदिन३दिन३या

कौटुनिधान्यमङ्ग॥ ॥ धनत्रारवूसरवालयाग
३॥ हूनाययूजामाल॥ विधासयैवायवालयू
जामान॥ वूसयूज २॥ कनारवस॥ खानयाग।
हैनवयाकयूजामान॥ माहाकालयाकैनाया
ग १ रुबगधरवानयीगया॥ धानियनाकुकिनि
यचामान, कूज धून्यमान॥ धनरवत्रयाविदि
॥ ॥

१ धर्मदस्ता न्यस्तानंदत्वा ॥ भागवानपीत ॥ न क
आन ॥ दाहाआन ॥ अिवसंगाय ॥ धर्मदस्ता ॥ ॐ
नियौसनारवकालबाल्ययूदायावद्व ॥ ॐ नि
सयूज ॥ वियमाला ॥ रवसयूज ॥ जाध्यावद्व
नृथयमानाम्वातकून ॥ गयमान ॥ हाकूहाग
हाकूयताय ॥ पीथसयाग ॥ रुवनयमाला ॥ सु
यौस्केमनाद्यात ॥ धर्मदस्ता विधि ॥ नाना
यदी ॥ ॥



१ ख न स्नान्य धा दृष्ट्वा ॥ क्लृप्तवलि वियमान
॥ भस्ममङ्गिन नावमाल ॥ यद्वेन रुत दूति ॥ ॐ
नमस्तु नानास्त्रिय गय ॥ शुक्रन जाय न भोग ॥ हि
दव गान अदाया भव रुत ॥ वज्र वा न जाय ल
यू न ग ॥ अकास चालि न ग न बरु व ॥ अकास
वा नीय नाया न १ रुत ॥ अगि निय नाया न १
रुत ॥ श्रीमहा लक्ष्मी ॥ ॥





ਖਾਨ
ਸਥਾਨ
ਰੁਕਾ॥

ਖਾਨ
ਰੁਕਾ
ਤੁਮ
ਰੁਕਾ
ਤੁਮ
ਰੁਕਾ

ਖਾਨ
ਰੁਕਾ
ਤੁਮ
ਰੁਕਾ

ਮ ਖਾਨਾਨ॥

ਖਾਨ
ਰੁਕਾ
ਤੁਮ
ਰੁਕਾ

ਸਿੰਘ

ਸੁਖ

ਭੁਕੁ ਵਸੀ॥

ਸੁਖ

ਸੋਨ
੨੦੦੨

ਭੁਕੁ
੨੦੦੨

ਭੁਕੁ
੨੦੦੨